अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । 2) बाकी प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करें । 3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे । 4) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्र. 1 लिपिबद्ध करें। (कोई तीन) (5 X 3 = 15)

1. ताल धमार में चक्रदार परण।
2. ताल छोटी सवारी में कवित्त।
3. ताल रास में साधा तोडा।
4. ताल धमार में परण जुडी आमद।
5. ताल रास में कवित्त।

प्र. 2 रिक्त स्थानों की पूर्ती करें। (1x15 = 15)

1. ---------- गायनशैली का संबंध सावन से है।
2. रति यह ---------- भाव है।
3. विभाव के ---------- और ---------- प्रकार है।
4. बोलों का समूह जो तीन लय में प्रस्तुत होता है उसे --------- कहते है।
5. ठुमकना इस शब्द से ---------- का जन्म हुआ।
6. स्थायी और अंतरा यह ---------- गायनशैली का भाग है।
7. कवी जयदेव जी रचित ---------- में अनेकों अष्टपदी है।
8. कथ्थक नृत्य प्रस्तुती में तराना कथ्थक के ---------- अंग में समाविष्ट हुआ है।
9. त्रिवट---------- नाम से भी जाना जाता है।
10. 'कौन गली गयो शाम' ---------- यह एक ---------- है।
11. जुगलबंदी या सवाल-जवाब की प्रस्तुती को ---------- नाम से जाना जाता है।

12. किसी भी रचना को सीधे क्रम से प्रस्तुत करें तो उसे -------- कहते है।
13. अपने जगह पे ही गती से घुमने की क्रिया को -------- कहते है।
14. अमीर खुसरो जी---------- भाषा जानते थे।

प्र. 3 **अ) जोडीयाँ जमाइए।** **(1 x 10 = 10)**

1. त्रिभंग मुद्रा	1) रंग खेलने का भाव
2. ठुमरी	2) तीन अंग
3. तराना	3) राजा चक्रधर सिंह
4. चतुरंग	4) नौ
5. अष्टपदी	5) श्रीकृष्ण जी
6. होरी	6) पं.बिंदादीन महाराज
7. व्यभिचारी	7) अमीर खुसरो जी
8. त्रिवट	8) चार अंग
9. रायगढ	9) कवी जयदेव जी
10. स्थायी भाव	10) संचारी

ब) एक वाक्य में जवाब दें। **(1 x 5 = 5)**

1. 'आंगिकम् भुवनम् यस्य ----------' यह कौनसे देवता की वंदना है?
2. होरी के नायक और नायिका कौन होते है?
3. रस निर्मिती के लिए जो बाह्य कारण हैं वह क्या हैं? एक उदाहरण दें।
4. भ्रमरी के अन्य दो नाम बताइए।
5. नर्तक के दो गुण लिखें।

प्र. 4 **सही या गलत बताइए।** **(15)**

1. तराना में भावाभिनय दिखाया जाता है।
2. अष्टपदी अधिकतम् श्रीकृष्ण जी के जीवन पर आधारित होती है।
3. सरगम 'चतुरंग' गायनशैली का एक अंग है।
4. ठुमरी पर बैठकर भी भाव-प्रस्तुती की जाती है।
5. तिपल्ली और तिहाई समान रचनाएँ हैं।
6. ठुमरी अधिकतर शृंगार रस पर आधारित होती है।

7. होरी भक्ती रस प्रधान होती है।
8. लाँक-डाँट में जुगलबंदी पेश की जाती है।
9. 'भ्रमरी' कथ्थक नृत्य की एक खासियत है।
10. चैती और कजरी कथ्थक नृत्य के नृत्तांग का भाग है।
11. ताल गजझंपा और ताल छोटी सवारी दोनों समान मात्राओं के ताल है।
12. रास नृत्य और कथ्थक नृत्य का कोई संबंध नही है।
13. ध्रुपद गीतप्रकार पे कथ्थक नृत्य में भावप्रस्तुती होती है।
14. रस की निष्पत्ती के लिए भाव-प्रस्तुती आवश्यक है।
15. कवित्त यह रचना सभी शास्त्रीय नृत्यशैलीयों में पायी जाती है।

प्र. 5 **'कथ्थक नृत्य में नवाब वाजिदअली शाह जी का योगदान' इस विषय पर विस्तृत जानकारी दें।** **(15)**

प्र. 6 **परिभाषाएँ लिखें।** **(5x3 = 15)**

1. न्यास-विन्यास
2. चैती
3. सुढंग
4. बेदम तिहाई
5. ध्रुपद

प्र. 7 **क्या फरमाईश चक्रदार परण और कमाली चक्रदार परण समान रचनाएँ हैं ?** **(15)**
इनमें क्या अंतर है समझाइए। उदाहरण के साथ जानकारी दें।